शिव शंकर भजले मनवा

शिव शंकर भज ले मनवा, शिव शंकर,
यह जीवन, एक बंधन है, मोह ना कर,
शिव शंकर भज ले मनवा, शिव शंकर,
यह जीवन, एक बंधन है, मोह ना कर,
एक दिन उड़ जायेगा, जीव यह पिंजरा तोड़ कर,
शिव शंकर भज ले मनवा, शिव शंकर।

शीश पे गंगा बिराजे, भाल सोहे चंद्रमा,
तीन नेत्र विशाल बाहु, बाएं बैठी माँ उमा,
बैठे प्रभु कैलाश पर, ध्यान में आठों पहर, सृष्टि पर डाले नज़र,
शिव शंकर भज ले मनवा, शिव शंकर।

लोक तिहु चौदा भुवन, चर अचर सृष्टि सृजन,
आपकी माया है प्रभु, चंद्र सूर्य धरा गगन,
शम्भू ही ओमकार है, शम्भू ही साकार है, शम्भू ही आधार है,
शिव शंकर भज ले मनवा, शिव शंकर,
यह जीवन, एक बंधन है, मोह ना कर
एक दिन तो उड़ जायेगा, जीव यह पिंजरा तोड़ कर,
शिव शंकर भज ले मनवा, शिव शंकर......

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24661/title/shiv-shankar-bhajle-manva

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |